जिस घर में बाबोसा की दिव्य ज्योती जलती है लिरिक्स

उस घर के हर दरवाजे पर,
खुशियाँ पहरा देती है,
जिस घर में बाबोसा की,
दिव्य ज्योती जलती है।**lbd।**

उस घर की चौखट पर,
जय बाबोसा लिखा होगा,
कही पे बाबोसा का मुकुट,
कहि पे घोटा रखा होगा,
उस घर से हर अला बला,
कोसो दूर रहती है,
जिस घर मे बाबोसा की,
दिव्य ज्योती जलती है।**lbd।**

शुभ लाभ हर कोने में,
संग रिद्धि सिद्धि रहती है,
ये स्वर्ग से सुन्दर घर वो,
जहाँ प्रेम की गंगा बहती है,
संस्कारो की पूंजी,
उस घर मे जमा रहती है,
जिस घर मे बाबोसा की,
दिव्य ज्योती जलती है।**lbd।**

बाबोसा की आज्ञा पाकर,
उस घर बाईसा आते है,
बाईसा के चरणो में,
सब नित नित शीश झुकाते है,
'दिलबर' ऐसी भक्ति तो,
किस्मतवाले को मिलती है,
जिस घर मे बाबोसा की,
दिव्य ज्योती जलती है।**lbd।**

उस घर के हर दरवाजे पर,
खुशियाँ पहरा देती है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जिस घर में बाबोसा की,
दिव्य ज्योती जलती है।lbd।

गायक – श्री हर्ष व्यास मुम्बई।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन, म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com